न्यूज डायरी

ओली के भविष्य पर फैसला करने से संबंधित नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक फिर टली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। संकट में घिरे नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने कम्युनिस्ट पार्टी में कलह को तवज्जो न देने का प्रयास करते हुए कहा कि राजनीति पार्टी के अंदर बहस और मतभेद श्श्आमश्श बात है। ओली ने भारत के साथ सीमा विवाद के बीच नेपाल की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा का भी संकल्प लिया।नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) की स्थायी समिति की बैठक चौथी बार स्थगित होने के कुछ घंटे बाद राष्ट्र के नाम पहले से अघोषित संबोधन में ओली ने कहा कि घरेलू मामलों और विवादों को हल करना राजनीतिक दल और उसके नेताओं का कर्तव्य है। एनसीपी की 45 सदस्यीय शक्तिशाली स्थायी समिति की बैठक शुक्रवार को होनी थी, लेकिन बाढ़ तथा भूस्खलन का हवाला देते हुए उसे टाल दिया गया।

ट्रंप ने स्कूल, कॉलेजों को दी जाने वाली कर छूट हटाने की धमकी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर धमकी दी है कि अगर स्कूलों और कॉलेजों को अगस्त तक नहीं खोला गया तो उन्हें दी जाने वाली कर छूट वापस ले ली जाएगी।ट्रंप ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि वह वित्त विभाग को स्कूलों को दी जाने वाली कर छूट की पुनरू समीक्षा करने का आदेश दे रहे हैं। उन्होंने इस हफ्ते दूसरी बार धमकी दी है कि अगर स्कूलों को फिर से नहीं खोला जाता है तो उन्हें दी जाने वाली संघीय निधि में कटौती की जाएगी।बहरहाल अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप किस आधार पर स्कूलों को दी जाने वाली कर छूट को खत्म कर सकते हैं।व्हाइट हाउस और वित्त विभाग ने अभी राष्ट्रपति के संदेश पर टिप्पणी नहीं की है। ट्रंप ने बुधवार को भी ट्विटर पर ऐसी ही चेतावनी देते हुए कहा था कि अन्य देशों ने सफलतापूर्वक स्कूलों को फिर से खोला है और ''छात्रों तथा उनके परिवारों के लिए पतझड़ के मौसम तक स्कूलों को फिर से खोलना महत्वपूर्ण है।

संयुक्त राष्ट्र के अंतरिम बल में तैनात भारतीय बटालियन ने पर्यावरण पुरस्कार जीता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र के अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में तैनात एक भारतीय बटालियन ने कचरा कम करने, प्लास्टिक का दोबारा इस्तेमाल करने, ग्रीन हाऊस और जैविक खाद के गड्ढे बनाने के उद्देश्य वाली एक परियोजना के लिए पर्यावरण संबंधी प्रथम पुरस्कार जीता है। यह जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। यूएनआईएफआईएल की भारतीय बटालियन (इंडबट) को परियोजना के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। यूएनआईएफआईएल के मिशन प्रमुख तथा बल के कमांडर मेजर जनरल स्टीफानो डेल कोल ने पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से नवोन्मेषी परियोजना को शुरू करने और क्रियान्वित करने के लिए सात मिशन इकाइयों को वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार प्रदान किए। मिशन के सेक्टर वेस्ट मुख्यालय और आयरिश–पोलिश बटालियन ने दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया है।

अंतरिक्ष में तैर रहा दुनिया से ज्यादा दौलत वाला गोला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा एक ऐस्टरॉइड पर एक स्पेस रोबॉट भेजने का प्लान बना रही है। खास बात यह है कि जिस ऐस्टरॉइड पर यह रोबॉट भेजा जा रहा है उसका मूल्य पूरी दुनिया की इकॉनमी से भी ज्यादा होने का दावा किया गया है। Psyche नाम का एयरक्राप्ट Asteroid 16 च्लेबीम पर अगस्त 2022 में भेजे जाने का प्लान है। इसके लिए अब एक डिजाइन रिव्यू को भी पास कर दिया गया है। 16 च्लेबीम पर पहुंचने के बाद यह स्पेस रोबॉट वहां लोहे, निकल और सोने की खोज करेगा। ऐसा भी हो सकता है कि यह कोई ग्रह रहा हो जिसकी बाहरी परतें निकल चुकी हैं और अब सिर्फ Core बची है। फोर्ब्स मैगजीन के दावे के मुताबिक इस ऐस्टरॉइड में जितना धातु है वह पूरी दुनिया की इकॉनमी से कई गुना ज्यादा 10, 000 क्वॉड्रिलियन डॉलर की कीमत का हो सकता है।

हॉन्गकॉन्ग की एक एक्सपर्ट साइंटिस्ट जान बचाकर भागी

चीन और डब्ल्यूएचओ को पता था, फिर भी नहीं उठाया कोई कदम

दावा

■दिसंबर में ही पता चल गया था इंसानों में फैल सकता है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हॉन्ग–कॉन्ग। चीन पर कोरोना वायरस फैलने को लेकर दुनियाभर में आरोप लगते रहे हैं और चीन दावा करता रहा है कि उसने कोई जानकारी नहीं छिपाई है। हालांकि, अब हॉन्ग–कॉन्ग की एक साइंटिस्ट ने आरोप लगाया है कि चीन को दरअसल इस बारे में पहले से पता था और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस बारे में कुछ नहीं किया। हॉन्ग–कॉन्ग के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में वायरॉलजी और इम्यूनॉलजी की स्पेशलिस्ट डॉ. ली–मेंग येन ने चीन पर आरोप लगाया है कि उसे घातक कोरोना वायरस के बरे में पता था और उसने जानकारी छिपाई।

चीन को दावा करने से पहले पता था: ली–मेंग ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में डब्ल्यूएचओ के सलाहकार प्रफेसर मलिक पेरिस पर भी आरोप लगाया है कि उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं किया। पेरिस डब्ल्यूएचओ से मान्यता–प्राप्त एक लैब के सह–निदेशक भी हैं। वहीं, ली–मेंग इस वक्त चीन से जान बचाकर भागी हुई हैं। फॉक्स न्यूज के साथ इंटरव्यू में ली–मेंग ने कहा, मेरा मानना है कि चीनी सरकार ने जब कोरोना वायरस के बारे में दावा किया, उसे उसके पहले से इस बारे में पता था। उन्होंने कहा, मेरे सुपरवाइजर्स फील्ड के कुछ टॉप एक्सपर्ट्स हैं, उन्होंने भी जो रिसर्च में महामारी के शुरुआत में कर रही थी, उससे नजरअंदाज किया, जिससे मेरा मानना है कई जानें बच सकती थीं।

दिसंबर में की थी सार्स-वायरस पर स्टडी: ली–मेंग का आरोप है कि चीन उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल वह अपनी जान बचाकर हॉन्ग–कॉन्ग से भागी हुई हैं। ली–मेंग दुनिया के उन कुछ एक्सपर्ट्स में से एक हैं जिन्होंने सबसे पहले कोरोना वायरस को स्टडी किया था। उन्हें यूनिवर्सिटी/डब्ल्यूएचओ लैब में उनके सुपरवाइजर्स ने 2019 में दिसबंर के महीने में चीन से मिले सार्स जैसे वायरस के क्लस्टर को स्टडी करने के लिए दिया था।

तभी पता था इंसानों में फैल सकता है: ली–मेंग को चीन की सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेन्शन में साइंटिस्ट दोस्त ने बताया था कि दिसंबर में इंसानों से इस वायरस के फैलने की संभावना है जबकि इसके काफी वक्त बात चीन या डब्ल्यूएचओ ने इसकी पुष्टि की थी। बाद में जनवरी में डब्ल्यूएचओ ने बयान जारी कर कहा था कि चीनी प्रशासन के मुताबिक वायरस से कुछ मरीजों में गंभीर बीमारी हो रही है और यह आसानी से लोगों के बीच में नहीं फैल रहा है।

तब दावा किया गया था कि इसे लेकर पर्याप्त जानकारी नहीं है। इसके बाद अचानक इस पर चर्चा कर रहे डॉक्टरों ने चुप्पी साध ली थी। करीब 6 महीने पहले डब्ल्यूएचओ चीफ डॉ. टेड्रोस ऐडनम ने दावा किया था कि संगठन को चीन ने कोविड–19 के बारे में बताया था।

चीन के कोस्ट गार्ड शिप वियतनाम को कर रहे परेशान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोरोना से ज्यादा जानलेवा वायरस का दावा

नूर–सुल्तान। कजाकिस्तान में चीनी दूतावास ने चेतावनी जारी कर दी कि देश में एक जानलेवा निमोनिया फैल रहा है जो कोरोना वायरस से भी ज्यादा खतरनाक है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कजाकिस्तान ने चीन की रिपोर्ट को श्फेक न्यूजश करार दिया है। दरअसल, कजाक के तीन शहरों में मध्य–जून के बाद से निमोनिया के कारण मौत के मामलों की जानकारी हाल ही में जारी की गई थी।

चीन का दावा, कोरोना से ज्यादा मृत्युदर: इसके बाद चीन ने देश में रह रहे अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी कर दी। दूतावास ने कहा, श्इस बीमारी से मृत्युदर कोरोना वायरस से भी ज्यादा है। देश का स्वास्थ्य विभाग निमोनिया वायरस पर रिसर्च कर रहा है लेकिन वायरस को पहचान नहीं पाया है। चीन ने अपने आधिकारी अकाउंट पर बताया कि अत्रायु, अकटोबी और शिमकेंट में मध्य–जून के बाद से मामलों में तेजी आई है।

इस पर कजाकिस्तान ने चीन के दूतावास के बयान पर आधारित चीनी मीडिया रिपोर्टों को फेक न्यूज बताया है। मंत्रालय ने कहा कि कजाकिस्तान में नए तरीके के निमोनियो को लेकर चीनी मीडिया की जानकारी गलत है।

सिंगापुर में हुए आम चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी की जीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिंगापुर। सिंगापुर की सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने शुक्रवार के आम चुनाव में जीत हासिल की है वहीं विपक्षी वर्कर्स पार्टी (डब्ल्यूपी) ने रिकॉर्ड 10 सीटें जीतीं। दक्षिण चीन मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार पीएपी अब अगली सरकार बनाने जा रही है। पार्टी ने 93 सीटों में से लगभग 90 प्रतिशत सीटों पर जीत हासिल की। रिपोर्ट के अनुसार PAP सत्तारूढ़ पार्टी जो 1959 से सत्ता में है, उसने 15 बहु–सीट वाले निर्वाचन क्षेत्रों और 13 सिंगल सीट वाले वार्डों में जीत दर्ज की है। पार्टी को 61.24 प्रतिशत वोट मिले हैं। मुख्य विपक्षी श्रमिक पार्टी ने जीत हासिल की रिकॉर्ड 10 सीटों पर विजय हासिल की है।

गलवान में पीछे नहीं हटी है भारतीय सेना? चीनी सोशल मीडिया पर दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। करीब दो महीने तक पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चले गतिरोध के शांत होने के बाद अब चीन में दावा किया जा रहा है कि भारत अपना वादा नहीं निभा रहा।दरअसल, चीन के सोशल मीडिया पर ऐसा दावा किया जा रहा है कि चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी तो गलवान वैली में झड़प वाली जगह से काफी पीछे चली गई है लेकिन भारतीय सेना अभी भी उसके काफी नजदीक है।

दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटने पर सहमति: 15 जून को गलवान घाटी में पट्रोल पॉइंट 14 पर दोनों देशों की सेनाओं के

बीच हिंसक झड़प हो गई थी जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। चीन ने अपने खेमे में हताहतों की संख्या पर आधिकारिक चुप्पी साधे रखी लेकिन भारत पर हिंसा का आरोप मढ़ता रहा। कई दौर चली बातचीत के बाद आखिरकार 5 जुलाई को दोनों देशों के बीच हुई वार्ता में यह फैसला किया गया कि पहले कायम की जा चुकी सहमति के तहत दोनों सेनाएं पीछे हटेंगी। इसके बाद दोनों सेनाएं 1.5–1.5 किमी पीछे जाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

चीनी सोशल मीडिया पर दावा हालांकि, हाल ही में चीन के सोशल मीडिया पर दावा किया गया है कि पीएलए तो पीछे हट गई है लेकिन भारतीय सेना अभी भी पीपी14 के पास तैनात है।

ओपन इंटेलिजेंस सोर्स detresfa के मुताबिक कमर्शल सैटलाइट की तस्वीरों के हवाले से यह दावा किया गया है। इनके मुताबिक चीनी सेना गलवान घाटी में झड़प वाली जगह से सिर्फ 500 मीटर दूर है जबकि चीन 800–1200 मीटर की दूरी पर है। ये तस्वीरें 9 जुलाई को लिए जाने का दावा किया गया है।

पाकिस्तान में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 2,46,351 हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 2,752 नए मामले सामने के बाद देश में वायरस से संक्रमित होने वाले लोगों की कुल संख्या 2,46,351 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण के चलते 65 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या 5,123 हो गई है। मंत्रालय ने स्वस्थ होने वाले लोगों की दर में भी सुधार होने की जानकारी दी जहां देशभर के विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों से 1,53,134 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। संक्रमण के सबसे अधिक 1,02,368 मामले सिंध से सामने आए हैं। इसके बाद पंजाब में 85,991, खैबर–पख्तूनख्वा में 29,775, इस्लामाबाद में 13,927, बलोचिस्तान में 11,128, गिलगित–बाल्तिस्तान में 1,630 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 1,532 मामले हैं। देश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी कुल 15,38,427 जांच हुई हैं जिनमें पिछले 24 घंटों में हुईं 23,569 जांच भी शामिल हैं। इस बीच, स्वास्थ्य संकट के मद्देनजर, एनओसीसी ने आगामी ईद–उल–जुहा के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश तैयार किए हैं।